

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-5410
दिनांक 03 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

नई पारेषण प्रणाली

5410. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अधिकतम विद्युत मांग कितनी दर्ज की गई है;
- (ख) क्या सरकार उक्त मांग को पूरा करने में सक्षम रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या उक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कमी गहरा गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (घ) फरवरी 2025 तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विद्युत की औसत उपलब्धता कितनी है; और
- (ङ) क्या वर्ष 2024 के दौरान पारेषण लाइनों और अंतर-क्षेत्रीय पारेषण क्षमता के संबंध में नई पारेषण प्रणालियां जोड़ी गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (ग) : वित्त वर्ष 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) के लिए अखिल भारतीय उच्चतम मांग 2,49,856 मेगावाट थी, जो दिनांक 30.05.2024 को थी। इस उच्चतम मांग को केवल 2 मेगावाट के मामूली अंतर के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

देश में विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता है। देश की वर्तमान संस्थापित उत्पादन क्षमता 470 गीगावाट है। भारत सरकार ने अप्रैल, 2014 से 238 गीगावाट उत्पादन क्षमता जोड़कर विद्युत की कमी के गंभीर मुद्दे का समाधान किया है, जिससे देश विद्युत की कमी से पर्याप्त विद्युत की स्थिति में आ गया है। इसके अलावा, 2014 से 2,01,088 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) पारेषण लाइनों, 7,78,017 एमवीए परिवर्तन क्षमता और 82,790 मेगावाट अंतर-क्षेत्रीय क्षमता को जोड़ा गया है, जिससे देश के एक छोर से दूसरे छोर की 1,18,740 मेगावाट अंतरित करने की क्षमता है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष 2024-25 (फरवरी 2025 तक) के दौरान देश की अखिल भारतीय विद्युत आपूर्ति स्थिति का व्यौरा अनुबंध पर दिया गया है। यह दर्शाता है कि ऊर्जा आवश्यकता और आपूर्ति की गई ऊर्जा के बीच का अंतर वर्तमान वर्ष 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान केवल 0.1% के मामूली स्तर पर आ गया है। ऊर्जा आवश्यकता और आपूर्ति की गई ऊर्जा के बीच यह मामूली अंतर भी आम तौर पर राज्य पारेषण/वितरण नेटवर्क में बाधाओं के कारण होता है।

(घ) : फरवरी, 2025 तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति का औसत दैनिक घंटा क्रमशः 22.6 घंटे और 23.4 घंटे था।

(ङ) : वर्ष 2024 (01-01-2024 से 31-12-2024) के दौरान, 11,116 सीकेएम पारेषण लाइनें (220 केवी और उससे अधिक वोल्टेज स्तर की) और 2,200 मेगावाट अंतर-क्षेत्रीय अंतरण क्षमता प्रणाली में जोड़ी गई हैं।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (फरवरी 2025 तक) के दौरान अखिल भारतीय विद्युत आपूर्ति स्थिति का ब्यौरा:

वर्ष	ऊर्जा			
	ऊर्जा आवश्यकता	ऊर्जा आपूर्ति	ऊर्जा की आपूर्ति नहीं हुई	
	(एमयू)	(एमयू)	(एमयू)	%
2021-22	13,79,812	13,74,024	5,787	0.4
2022-23	15,13,497	15,05,914	7,583	0.5
2023-24	16,26,132	16,22,020	4,112	0.3
वर्ष 2024-25* (फरवरी, 2025 तक)	15,47,785	15,46,229	1,555	0.1

* फरवरी, 2025 के आंकड़े अनंतिम हैं।
